AI Tools and Industry 4.0 For Entrepreneurs and Innovators

18 नवंबर 2025 को, आईआईसी के तत्वावधान में, कंप्यूटर विज्ञान और प्रबंधन विभाग ने इंटरप्रेन्योर और इनोवेटर्स के लिए एआई टूल्स और उद्योग 4.0 पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट श्री दिनेश गुप्ता और कार्यवाहक प्राचार्य डॉ संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में इस तरह के आयोजन नियमित रूप से किए जाते हैं। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग 1), कंप्यूटर विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष सुश्री मोहिनी वर्मा, आईआईसी की उपाध्यक्ष और प्रबंधन विभाग की डीन डॉ शिल्पा गोयल के प्रभावी नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला का संयोजन डॉ डॉली मंगला ने किया। इस रोमांचक और शैक्षिक कार्यक्रम में कुल 75 छात्रों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों में नवाचार और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देना था।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, मशीन लर्निंग और डिजिटल परिवर्तन तकनीकों की तेज़ी से विकसित होती दुनिया से परिचित कराना था जो इंडस्ट्री 4.0 को आकार दे रही हैं। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, युवा नवप्रवर्तक और महत्वाकांक्षी इंटरप्रेन्योर शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति को समझने में मदद करना था।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन, IoT, बिग डेटा और उन्नत एनालिटिक्स में वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और उभरते रुझानों की जानकारी प्राप्त करें। यह कार्यशाला युवा इंटरप्रेन्योर, स्टार्ट-अप संस्थापकों, इनोवेटर्स, शोधकर्ताओं, छात्रों और उन संकाय सदस्यों के लिए आदर्श है जो व्यवसाय विकास के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाने में रुचि रखते हैं। कार्यशाला में व्यवसाय और इनोवेटर्स के लिए AI उपकरणों का परिचय, उद्योग 4.0 का अवलोकन: अवधारणाएँ और प्रौद्योगिकियाँ, विभिन्न क्षेत्रों में AI और उद्योग 4.0 के अनुप्रयोग, इंटरप्रेन्योर के लिए चुनौतियाँ और अवसर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

सत्र का संचालन श्री मनीष भटोला, सॉफ्टवेयर प्रशिक्षक, यूनिक ईआरपी, ने किया, जो एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं। संसाधन व्यक्ति ने बताया कि कैसे आधुनिक एआई उपकरण व्यावसायिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, रचनात्मकता को बढ़ा सकते हैं और डेटा-संचालित निर्णय लेने का समर्थन कर सकते हैं। उन्होंने विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, स्टार्टअप और सेवा क्षेत्र में उद्योग 4.0 अनुप्रयोगों के वास्तविक दुनिया के उदाहरणों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला में व्यावहारिक प्रदर्शन, इंटरैक्टिव चर्चाएँ और एक प्रश्नोत्तर सत्र शामिल था, जिससे छात्रों को सामग्री निर्माण, स्वचालन और उद्यमशीलता कार्यों के लिए एआई-आधारित उपकरणों का व्यावहारिक रूप से पता लगाने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि कार्यशाला ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों के बारे में उनकी समझ को व्यापक बनाया। कार्यशाला का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसके बाद सुश्री मोहिनी वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम का समन्वय सुश्री पारुल सिंगला और सुश्री निशा चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि सत्र ने एआई और उद्योग 4.0 के बारे में सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान की। कॉलेज भविष्य में इस तरह के और अधिक कौशल-संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है।